

This question paper contains 2 printed pages]

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

S. No. of Question Paper : 1861

Unique Paper Code : 230101

F

Name of the Paper : Introduction to Sociology-I

Name of the Course : B.A. (Hons.) Sociology

Semester : I

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note : Answers may be written *either* in English *or* in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी : इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt *Four* questions in all, *one* each from Section I and III and *two* from Section II.

Questions from Section I and II carry 20 marks each and questions from Section III carry 15 marks each.

कुल चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। अनुभाग I तथा III में से प्रत्येक से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए तथा II में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

अनुभाग I तथा II के प्रत्येक प्रश्न के 20 अंक तथा III के अंक 15 निर्धारित हैं।

Section-I

(अनुभाग-I)

1. In what way does sociology challenge the common sensical understanding of society ?

समाजशास्त्र किस प्रकार समाज की सहजबोधी (common sensical) समझ को चुनौती देता है ?

P.T.O.

2. Discuss the historical development of the discipline of sociology.

समाजशास्त्र विषय के ऐतिहासिक विकास की विवेचना कीजिए ।

Section-II

(अनुभाग-II)

3. Attempt a sociological classification of groups; bringing out how the group affects the individual.

समूहों के समाजशास्त्रीय वर्गीकरण को प्रस्तुत करते हुए समझाइए कि किस प्रकार समूह व्यक्ति को प्रभावित करते हैं ?

4. Do you agree with the view that cultural rather than natural factors determine society ?

क्या आप इस मत से सहमत हैं कि प्राकृतिक के बजाए सांस्कृतिक कारक समाज को निर्धारित करते हैं ?

5. Examine the concept of social change. Discuss McDonaldization as an agent of social change.

सामाजिक परिवर्तन की अवधारणा की विवेचना कीजिए । सामाजिक परिवर्तन के अभिकर्ता के रूप में 'मैकडोनाल्डाईजेशन' की व्याख्या कीजिए ।

Section-III

(अनुभाग-III)

6. Critically examine the functionalist perspective in sociology.

समाजशास्त्र के प्रकार्यवादी परिप्रेक्ष्य की आलोचनात्मक विवेचना कीजिए ।

7. How do functionalism and Marxism help in the understanding of society ?

प्रकार्यवाद और मार्क्सवाद समाज को समझने में किस प्रकार मदद करते हैं ?